Test Date : 05 Sep 2022	Test Slot : Slot 1

Subject : PGQP63-Shukla Yajurveda Bashyam Krishna Yajurvveda Bashyam Atharvanaveda Bashyam Veda

Sl. No.1
QBID:1554971

Choose the correct form of verb to fill in the blank.

The captain decided ________ him in the playing eleven.

(1) never kept

(2) keeping

(3) not to keep

(4) to not keep

निम्नलिखित में से कौन-सी ध्वनियाँ अघोष है?

A. द
B. क
C. ब
D. छ
E. फ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(1) A, B और C

(2) B, D और E

(3) B, C और D

(4) C, D और E

1[Option ID=13801]
2[Option ID=13802]
3[Option ID=13803]
4[Option ID=13804]

Sl. No.2
QBID:1554972

Choose the appropriate preposition to complete the sentence.

Anila had many books and papers scattered all ________ the room.

(1) over

(2) around

(3) through

(4) in

उपसर्ग किसे कहते है?

(1) जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ बदल देते हैं।

(2) जो शब्द वाक्य में पुरुष, लिंग, कारक और काल का सही संबंध या साम्य रखता है।

(3) जो शब्दांश शब्द के आदि में जुडकर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न करता है।

(4) जब दो या दो से अधिक शब्द मिलाकर, नया शब्द बनाया जाता है।

1[Option ID=13845]
2[Option ID=13846]
3[Option ID=13847]
4[Option ID=13848]

Sl. No.3
QBID:1554973

Choose out the correctly spelt word.

(1) Heirarchy

(2) Hierarchy

(3) Heariarchy

(4) Hairarchy

निम्नलिखित में से तीन अशुद्ध शब्द चिह्नित कीजिए।

A. दूकान
B. गहराई
C. मीलावट
D. भक्ति
E. चलाकि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(1) A, B और D

(2) A, B और E

(3) A, C और E

(4) B, D और C

1[Option ID=13873]
2[Option ID=13874]
3[Option ID=13875]
4[Option ID=13876]

Sl. No.4
QBID:1554974

Identify the correct indirect narration for the following sentence.

"Would you mind taking off your shoes before entering the house?" He said to the foreigner.

(1) He requested the foreigner to take off his shoes before entering the house

(2) He told the foreigner that he must take off his shoes before entered the house

(3) He said to the foreigner that to take off his shoes before entering the house

(4) Before entering the house he said that shoes must be taken off

'भाषा सामाजिक होती है' का तात्पर्य है।

A. भाषा समाज में ही विकसित होती है।
B. भाषा असामाजिक होती है।
C. भाषा ईश्वरीय नहीं होती।
D. भाषा व्यवहार में लाने से अवरुद्ध होती है।
E. भाषा में समाज के भेद-विभेद दिखाई पड़ते है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(1) केवल A, B और D

(2) केवल B, C और E

(3) केवल A, C और E

(4) केवल B, C और D

1[Option ID=13877]
2[Option ID=13878]
3[Option ID=13879]
4[Option ID=13880]

Sl. No.5
QBID:1554975

Rearrange the following parts of a sentence labelled as PQRS to make a meaningful sentence.

P. From following universal

Q. Like honestly and integrity

R. And timeless principles

S. Moral authority comes

(1) Q R P S

(2) R Q S P

(3) S P R Q

(4) S Q R P

निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य चिह्नित कीजिए।

(1) निर्मला ने मुझसे कुछ नहीं कही।

(2) निर्मला ने मुझसे कुछ नहीं कहा।

(3) निर्मला मुझ से कुछ नहीं कहा।

(4) निर्मला ने मुझ से कुछ नहीं कहे।

1[Option ID=13881]
2[Option ID=13882]
3[Option ID=13883]
4[Option ID=13884]

Sl. No.6
QBID:1554976

Pick out the antonym of 'enemy'.

(1) Criminal
(2) Disciplined
(3) Benefactor
(4) Virtuous

दिए गए वाक्यांश को निम्नालिखित अंशो के सही क्रम में पूरा कीजिए।

आज से लगभग एक शताब्दी पूर्व

A. चलचित्र को जन्म दिया था
B. छायाचित्र प्रस्तुत कर के
C. एडीसन नामक अमेरीकी विद्वान ने
D. प्रकाश की किरणों से कुछ
E. समतल दीवार पर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) A, C, B, D, E
(2) C, B, D, E, A
(3) C, E, D, B, A
(4) D, A, C, B, E

1[Option ID=13885]
2[Option ID=13886]
3[Option ID=13887]
4[Option ID=13888]

Sl. No.7
QBID:1554977

Pick out the meaning of the underlined idiom in the following sentence :-

The publishers have recently brought out seventh edition of the book.

(1) Reviewed
(2) Published
(3) Called back
(4) Cancelled

नीचे दो कथन दिए गए है।
कथन I : 'टाँयटाँयफिस' अनर्गल है।
कथन II : जिन शब्दों से कोई स्पष्ट अर्थ सूचित नहीं होता, उन्हें अनर्गल शब्द कहते हैं।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

(1)

कथन I और II दोनों सही है

(2) कथन I और II दोनों गलत है

(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है

(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

1[Option ID=13889]
2[Option ID=13890]
3[Option ID=13891]
4[Option ID=13892]

Sl. No.8
QBID:1554978

Choose the correct passive voice form of the following sentence.

Put this picture on the wall.

(1) The picture can be put on the wall

(2) Let this picture be put on the wall

(3) You are directed to put this picture on the wall

(4) The picture can't be put on the wall

'किए उपकार को न मानने वाला' के लिए सही शब्द चिह्नित कीजिए।

(1) सर्वज्ञ

(2) कृतज्ञ

(3) कृतघ्न

(4) निर्लज्ज

1[Option ID=13893]
2[Option ID=13894]
3[Option ID=13895]
4[Option ID=13896]

Sl. No.9
QBID:1554979

Pick out the synonym of the following word:
Shimmering.

(1) Dull

(2) Greatly

(3) Recessive

(4) Radiant

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची I (शब्द)	सूची II (समानार्थी)
A. सूर्य	I. गज
B. कमल	II. निशा
C. हाथी	III. पंकज
D. रात्रि	IV. सविता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) A-II, B-IV, C-III, D-I

(2) A-IV, B-III, C-I, D-II

(3) A-IV, B-I, C-III, D-II

(4) A-I, B-II, C-III, D-IV

1[Option ID=13897]
2[Option ID=13898]
3[Option ID=13899]
4[Option ID=13900]

Sl. No.10
QBID:15549710

Identify the part of speech of the underlined word in the following sentence.

I ask it as my right.

(1) Noun

(2) Adjective

(3) Verb

(4) Adverb

निम्नलिखित में से मुहावरे चिह्नित कीजिए।

A. हाथ धो कर पीछे पड़ना
B. जाके पाँव न फटी बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई
C. छट्ठी का दूध याद आना
D. कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा
E. चादर देख पाँव फैलाना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) B, C और D

(2) B, D और E

(3) A, B और E

(4) A, C और D

1[Option ID=13805]
2[Option ID=13806]
3[Option ID=13807]
4[Option ID=13808]

Sl. No.11
QBID:15549711

Dara Sikho, the eldest son of Shah Jahan, wrote 'Sirr - i- Akbar' which contained:

(1) History of Akbar's rule as emperor

(2) His philosophy on Islam

(3) An account of Indian religious rituals

(4) Fifty chapters of Upanishads

शाहजहाँ के सबसे बडे बेटे दारा शिकोह ने 'सिर्र-ए-अकबर' पुस्तक लिखी। उसकी अन्तर्वस्तु क्या है?

(1) सम्राट के रूप में अकबर के शासन का इतिहास

(2) इस्लाम के बारे में उसका दर्शन

(3) भारतीय धार्मिक कर्मकांडो का वर्णन

(4) उपनिषदों पर पचास अध्याय

1[Option ID=13809]
2[Option ID=13810]
3[Option ID=13811]
4[Option ID=13812]

Sl. No.12
QBID:15549712

Identify the correct combination of the UNESCO heritage sites associated with Buddhism.

A. Mahabodhi Complex
B. Sarnath
C. Sanchi Monuments
D. Kushinagar
E. Ajanta Cave
F. Elephanta

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A, B, C, D

(2) A, B, D, E

(3) A, C, E, F

(4) B, C, D, E

बौद्ध धर्म से जुड़े यूनेस्को धरोहर स्थलों के सही समूह की पहचान कीजिए।

A. महाबोधि परिसर
B. सारनाथ
C. साँची स्मारक
D. कुशीनगर
E. अजन्ता गुफा
F. एलिफैंटा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) A, B, C, D

(2) A, B, D, E

(3) A, C, E, F

(4) B, C, D, E

1[Option ID=13813]
2[Option ID=13814]
3[Option ID=13815]
4[Option ID=13816]

Sl. No.13
QBID:15549713

Indicate the correct combination of usages of Brine, a byproduct of de-salination from the following.

A. Food processing
B. Pickling
C. De-toxicating
D. Hair growth
E. De-icing

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A, B, C

(2) A, B, E

(3) C, D, E

(4) B, C, D

ब्राइन, विलनगणन के एक उपोत्पाद, के उपयोगों का सही समूह पहचानिए।

A. खाद्य-प्रसंस्करण
B. अचार बनाना
C. निराविषन
D. बाल बढ़ाना
E. विहिमन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) A, B, C

(2) A, B, E

(3) C, D, E

(4) B, C, D

1[Option ID=13817]
2[Option ID=13818]
3[Option ID=13819]
4[Option ID=13820]

Sl. No.14
QBID:15549714

Match List I with List II

List-I (Product/Company)	List-II (Tagline)
A. Nike	I. Think Small
B. Apple	II. Just Do It
C. De Beers	III. Think Different
D. Volkswagan	IV. A Diamond Forever

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A-III, B-IV, C-I, D-II

(2) A-I, B-II, C-III, D-IV

(3) A-II, B-III, C-IV, D-I

(4) A-IV, B-I, C-III, D-II

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची-I (उत्पाद/कम्पनी)	सूची-II (सूक्त वाक्य) (टैग लाइन)
A. नाइक	I. थिंक स्माल
B. एप्पल	II. जस्ट डू इट
C.डि बीयर्स	III. थिंक डिफरेंट
D. वोक्सवैगन	IV. ए डायमंड फार एवर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) A-III, B-IV, C-I, D-II

(2) A-I, B-II, C-III, D-IV

(3) A-II, B-III, C-IV, D-I

(4) A-IV, B-I, C-III, D-II

1[Option ID=13821]
2[Option ID=13822]
3[Option ID=13823]
4[Option ID=13824]

Sl. No.15
QBID:15549715

Boson is a sub-atomic particle named after:

(1) Prafulla Chandra Ray

(2) Homi Bhabha

(3) Jagadish Chandra Bose

(4) Satyendra Nath Bose

'बोसोन' एक उप-परमाणविक कण है जिसका नाम किस वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया है?

(1) प्रफुल्ल चन्द्र रे

(2) होमी भाभा

(3) जगदीशचन्द्र बोस

(4) सत्येन्द्र नाथ बोस

1[Option ID=13825]
2[Option ID=13826]
3[Option ID=13827]
4[Option ID=13828]

Sl. No.16
QBID:15549716

Find missing number

3, 16, 45, __ __, 175

(1) 105

(2) 115

(3) 136

(4) 96

लुप्त संख्या बताइए।

3, 16, 45, __ __, 175

(1) 105

(2) 115

(3) 136

(4) 96

1[Option ID=13829]
2[Option ID=13830]
3[Option ID=13831]
4[Option ID=13832]

Sl. No.17
QBID:15549717

Choose the pair to best represent a similar relationship to the one expressed in the original pair of words.

Vein : Blood

(1) Pencil : Lead

(2) Pen : Tip

(3) Hand : Finger

(4) Shoe : Foot

शब्दों के मूल युग्म में अभिव्यक्त सम्बन्ध के ही समान सम्बन्ध को सर्वोत्तम ढंग से प्रदर्शित करने वाले युग्म को चुनिए।

नस : खून

(1) पेंसिल : अंकनी (लीड)

(2) पेन : नोंक

(3) हाथ : ऊंगली

(4) जूता : पैर

1[Option ID=13833]
2[Option ID=13834]
3[Option ID=13835]
4[Option ID=13836]

Sl. No.18
QBID:15549718

Nishi's college is situated at a distance of 10 Km towards South from the home. She leaves her home at 9.00 a.m. for her college. However, on reaching the college, she takes left turn and walks for 3 KM. Again, she turns left and walks for 2 Km before taking another left turn. After taking the turn she walks for 9 km. How far she is from her home.

(1) 19 Km

(2) 10 Km

(3) 12 Km

(4) 8 Km

निशि का कालेज उसके घर से दक्षिण दिशा में 10 किमी दूर स्थित है। वह कालेज जाने के लिए घर से सुबह 9 बजे निकलती है। पर कालेज पहुँचने के बाद वह बायें मुड़ती है और 3 किमी चलती है। वह फिर से बायें मुडती है और एक और बायाँ मोड लेने से पहले 2 किमी चलती है। मोड़ लेने के बाद वह 9 किमी चलती है। अब वह अपने घर से कितनी दूर है?

(1) 19 किमी

(2) 10 किमी

(3) 12 किमी

(4) 8 किमी

1[Option ID=13837]
2[Option ID=13838]
3[Option ID=13839]
4[Option ID=13840]

Sl. No.19
QBID:15549719

In the question statement and assumptions are given. Consider the statement and choose the correct option from the following on the basis of the assumptions.

Statement: Ram applied for an education loan from a bank of Rs. 5 Lakhs by mortgaging his house and promised to repay the loan after 3 years of his graduation.

Assumptions:

(i) The bank accepts house as collateral security against education loan

(ii) The Bank grants education loan up to Rs. 5 Lakhs

(1) Only (i) is implicit

(2) Only (ii) is implicit

(3) Both Only (i) is implicit and Only (ii) is implicit

(4) Neither Only (i) is implicit nor Only (ii) is implicit

इस प्रश्न में वक्तव्य और पूर्व धारणाएं दी हुई है। पूर्व धारणाओं के आधार पर वक्तव्य पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

वक्तव्यः राम ने अपना घर गिरवी रखकर 5 लाख रूपये के शिक्षा ऋण के लिए बैंक में आवेदन दिया और वचन दिया कि वह तीन वर्ष के स्नातक अध्ययन के बाद ऋण चुका देगा।

पूर्व-धारणाएँः

(i) शिक्षा ऋण के लिए बैंक घर को समर्थक-ऋणाधार के रूप में स्वीकार करता है।

(ii) बैंक 5 लाख रूपये तक का शिक्षा ऋण प्रदान करता है।

(1) केवल (i) ही शंका-रहित है

(2) केवल (ii) ही शंका-रहित है

(3) (i) ही शंका-रहित है और (ii) ही शंका-रहित है, दोनो

(4) न तो (i) ही शंका-रहित है और न ही (ii) ही शंका-रहित है

1[Option ID=13841]
2[Option ID=13842]
3[Option ID=13843]
4[Option ID=13844]

Sl. No.20
QBID:15549720

Question below has one statement and two arguments. Decide which is strong argument and which one is weak argument.

Statement: Should the law for marrying girls be increased to 25 years?

Arguments:

(i) Yes, it will check the population to a certain extent.

(ii) Yes, girls will become more skilled in doing household work.

(1) Only (i) is strong argument

(2) Only (ii) is strong argument

(3) Neither Only (i) is strong argument nor Only (ii) is strong argument

(4) Both Only (i) is strong argument and Only (ii) is strong argument

नीचे दिए गए प्रश्न में एक वक्तव्य और दो तर्क है। निर्णय कीजिए कि कौन-सा तर्क प्रबल है और कौन-सा तर्क दुर्बल है।

वक्तव्यः क्या लड़कियों के विवाह की आयु सम्बन्धी कानून को बढ़ाकर 25 वर्ष तक कर देना चाहिए।

तर्कः

(i) हाँ, यह किसी सीमा तक जनसंख्या को नियंत्रित कर पाएगा।

(ii) हाँ, घरेलू काम करने में लड़कियाँ और अधिक कुशल हो जाएँगी।

(1) केवल (i) ही एक प्रबल तर्क है।

(2) केवल (ii) ही प्रबल तर्क है।

(3) न तो केवल (i) ही एक प्रबल तर्क है न ही केवल (ii) प्रबल तर्क है

(4) (i) केवल ही एक प्रबल तर्क है और केवल (ii) ही प्रबल तर्क है।

1[Option ID=13849]
2[Option ID=13850]
3[Option ID=13851]
4[Option ID=13852]

Sl. No.21
QBID:15549721

How long will sum of money invested at 7.5% per annum at simple interest take to increase double of its principle value.

(1) $25\frac{2}{3}$ yrs.

(2) $26\frac{2}{3}$ yrs.

(3)

$27\frac{2}{3}$ yrs.

(4) $28\frac{2}{3}$ yrs.

यदि किसी मूलधन को 7.5% ब्याज की दर से निवेश करने पर उसके ब्याज में मूलधन से दुगुना होने में कितना समय लगेगा?

(1) $25\frac{2}{3}$ वर्ष

(2) $26\frac{2}{3}$ वर्ष

(3) $27\frac{2}{3}$ वर्ष

(4) $28\frac{2}{3}$ वर्ष

1[Option ID=13853]
2[Option ID=13854]
3[Option ID=13855]
4[Option ID=13856]

Sl. No.22
QBID:15549722

Ramesh invests Rs. 10,000 in Bank Fixed Deposit which offers 8% per annum compound interest and Rs. 10,000 in post office which is offering 8.5% per annum compound interest. How much total interest he will earn after 2 years.

(1) Rs. 2436.50
(2) Rs. 3463.25
(3) Rs. 3436.25
(4) Rs. 2463.50

रमेश रू. 10,000 बैंक सावधि जामा करता हैं, जिसमें 8% चक्रवृद्धि ब्याज की दर से तथा रू. 10,000 डाकघर सावधि जमा में 8.5% चक्रवृद्धि ब्जाय की दर से जमा करता है। 2 वर्ष पश्चात् उसे कितना समेकित ब्याज मिलेगा?

(1) रू. 2436.50
(2) रू. 3463.25
(3) रू. 3436.25
(4) रू. 2463.50

1[Option ID=13857]
2[Option ID=13858]
3[Option ID=13859]
4[Option ID=13860]

Sl. No.23
QBID:15549723

If $x = \frac{-1}{2}$ is a root of $x^2 - kx - \frac{5}{4} = 0$, then value of k is-

(1) -2

(2) 2

(3) $\frac{1}{4}$

(4) $\frac{1}{2}$

यदि $x = \frac{-1}{2}$ समीकरण $x^2 - kx - \frac{5}{4} = 0$ का मूल है, तब k का मान होगा-

(1) -2

(2) 2

(3) $\frac{1}{4}$

(4) $\frac{1}{2}$

1[Option ID=13861]
2[Option ID=13862]
3[Option ID=13863]
4[Option ID=13864]

Sl. No.24
QBID:15549724

Match List I with List II

List-I	List-II
A. If $\pi = 22/7$ A cone with radius 7 m and hight is 3 m, its volume is	I. 550 m^3
B. A cylinder with radius 5 m and hight is 7 m, its volume is	II. 154 m^3
C. A Sphere with radius 7 m, its volume is	III. 27 m^3
D. A cube with side 3 m, its volume is	IV. $\frac{4312}{3}$ m^3

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III

(2) A-I, B-II, C-III, D-IV

(3) A-IV, B-III, C-II, D-I

(4) A-II, B-I, C-IV, D-III

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची-I	सूची-II
A. यदि $\pi = 22/7$ शंकु जिसकी त्रिज्या 7m तथा ऊंचाई 3m है, उसका आयतन	I. 550 m^3
B. बेलन जिसकी त्रिज्या 5m, तथा ऊंचाई 7m, उसका आयतन	II. 154 m^3
C. गोला जिसकी त्रिज्या 7m है, उसकी आयतन	III. 27 m^3
D. धन जिसकी भुजा 3m है, उसका आयतन	IV. $\frac{4312}{3}m^3$

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तरका चयन कीजिए:

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III

(2) A-I, B-II, C-III, D-IV

(3) A-IV, B-III, C-II, D-I

(4) A-II, B-I, C-IV, D-III

1[Option ID=13865]
2[Option ID=13866]
3[Option ID=13867]
4[Option ID=13868]

Sl. No.25
QBID:15549725

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Average of first n natural number is $\frac{n(n+1)}{2}$

Reason R: $\frac{1+2+3+\dots\dots\dots+n}{n} = ________ \frac{(n+1)}{2}$

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

(1) Both A and R are true and R is the correct explanation of A

(2) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A

(3) A is true but R is false

(4) A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए है।

कथन I : प्रथम n प्राकृत संख्याओं का औसत $\frac{n(n+1)}{2}$ होता है।

कथन II : $\frac{1+2+3+\dots\dots\dots+n}{n} = ________ \frac{(n+1)}{2}$

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

(1) कथन I और II दोनों सही है

(2) कथन I और II दोनों गलत है

(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है

(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

1[Option ID=13869]
2[Option ID=13870]
3[Option ID=13871]
4[Option ID=13872]

Sl. No.26
QBID:1454781

ऋग्वेदस्य अध्यायक्रमे एकस्मिन् वर्गे कति वाक्यानि सामान्येन भवन्ति -

(1) पञ्चदश वाक्यानि

(2) विंशति वाक्यानि

(3) दश वाक्यानि

(4) पञ्च वाक्यानि

1[Option ID=13501]
2[Option ID=13502]
3[Option ID=13503]
4[Option ID=13504]

Sl. No.27
QBID:1454782

तैत्तिरीयब्राह्मणे कति प्रपाठकाः सन्ति -

(1) 80 प्रपाठकाः

(2) 100 प्रपाठकाः

(3) 10 प्रपाठकाः

(4) 36 प्रपाठकाः

1[Option ID=13545]
2[Option ID=13546]
3[Option ID=13547]
4[Option ID=13548]

Sl. No.28
QBID:1454783

ऋग्वेदस्य प्रथममण्डलस्य प्रथमसूक्तस्य ऋषिः अस्ति -

(1) विश्वामित्रः

(2) कण्वः

(3) मधुच्छन्दा

(4) वसिष्ठः

1[Option ID=13589]
2[Option ID=13590]
3[Option ID=13591]
4[Option ID=13592]

Sl. No.29
QBID:1454784

ऋत्विक्षु यज्ञस्य नेता इति अभिधीयते -

(1) ब्रह्मा

(2) अध्वर्युः

(3) आग्नीध्रः

(4) प्रतिप्रस्थाता

1[Option ID=13633]
2[Option ID=13634]
3[Option ID=13635]
4[Option ID=13636]

Sl. No.30
QBID:1454785

वेदे पूर्वोत्तरकाण्डयोः विषयः भवति -

(1) धर्मब्रह्मणी

(2) इष्टिसोमौ

(3) वाजयेयराजसूयौ

(4) उपासना-चयनं च

1[Option ID=13677]
2[Option ID=13678]
3[Option ID=13679]
4[Option ID=13680]

Sl. No.31
QBID:1454786

विधिभागः द्विविधः भवति। यथा -

(1) प्राशस्त्यं निन्दा च।

(2) अप्रवृत्तप्रवर्तनम् अज्ञातज्ञानं च।

(3) पुराकल्पः उपमानं च।

(4) हेतुः निर्वचनं च।

1[Option ID=13721]
2[Option ID=13722]
3[Option ID=13723]
4[Option ID=13724]

Sl. No.32
QBID:1454787

कृष्णयजुर्वेदस्य तैत्तिरीयसंहितायां कति प्रश्नाः सन्ति -

(1) चतुश्चत्वारिंशत्

(2) पञ्चविंशतिः

(3) पञ्चचत्वारिंशत्

(4) चतुःपञ्चाशत्

1[Option ID=13765]
2[Option ID=13766]
3[Option ID=13767]
4[Option ID=13768]

Sl. No.33
QBID:1454788

यः विधिः अत्यन्तम् अप्राप्तमर्थं प्रापयति सः विधिः -

(1) परिसंख्याविधिः

(2) नियमविधिः

(3) विशिष्टविधिः

(4) अपूर्वविधिः

1[Option ID=13793]
2[Option ID=13794]
3[Option ID=13795]
4[Option ID=13796]

Sl. No.34
QBID:1454789

आद्युदात्ते प्रयुक्तस्य 'इन्द्रशत्रुर्वर्धस्व' इति मन्त्रस्य अर्थः -

(1) इन्द्रस्य घातकः

(2) इन्द्रो घातको यस्य

(3) इन्द्रस्य शमनकर्ता यस्य

(4) इन्द्रस्य मित्रं यस्य

1[Option ID=13797]
2[Option ID=13798]
3[Option ID=13799]
4[Option ID=13800]

Sl. No.35
QBID:14547810

मीमांसापरिभाषानुसारेण वेदस्य द्विविधः भागः -

(1) ब्राह्मणं आरण्यकं च

(2) संहिता उपनिषत् च

(3) मन्त्ररूपः ब्राह्मणरूपः च

(4) विधिः अर्थवादः च

1[Option ID=13505]
2[Option ID=13506]
3[Option ID=13507]
4[Option ID=13508]

Sl. No.36
QBID:14547811

विधायकं वाक्यं ब्राह्मणम्। ब्राह्मणशेषः भवति -

(1) विधिः।

(2) नामधेयम्।

(3) मन्त्रः।

(4) अर्थवादः।

1[Option ID=13509]
2[Option ID=13510]

3[Option ID=13511]
4[Option ID=13512]

Sl. No.37
QBID:14547812

मन्त्राः प्रयोगकाले विवक्षितार्थाः सन्तः -

(1) स्वार्थस्य अप्रकाशनाय उच्चारयितव्याः।

(2) पुण्यैकहेतवे उच्चारयितव्याः।

(3) अदृष्टार्थं यागे उच्चारयितव्याः।

(4) स्वार्थप्रकाशनायैव उच्चारयितव्याः।

1[Option ID=13513]
2[Option ID=13514]
3[Option ID=13515]
4[Option ID=13516]

Sl. No.38
QBID:14547813

श्रुतिप्राबल्यप्रकरणे उदाहृतमन्त्रेण - 'कदाचन स्तरीरसि' इत्यनेन कस्याग्नेः उपस्थानं विहितम् -

(1) दक्षिणाग्नेः

(2) सभ्याग्नेः

(3) गार्हपत्याग्नेः

(4) आहवनीयाग्नेः

1[Option ID=13517]
2[Option ID=13518]
3[Option ID=13519]
4[Option ID=13520]

Sl. No.39
QBID:14547814

कृष्णयजुर्वेदे तैत्तिरीयसंहितायां द्वितीयकाण्डे किं वर्णितम् -

(1) काम्येष्टयः

(2) अग्निहोत्रम्

(3) राजसूययागः

(4) गवामयनम्

1[Option ID=13521]
2[Option ID=13522]
3[Option ID=13523]
4[Option ID=13524]

Sl. No.40
QBID:14547815

माध्यन्दिनसंहितायां वाजेपययागमन्त्राः कस्मिन् अध्याये सन्ति -

(1) प्रथमाध्याये

(2) नवमाध्याये

(3) षोडशाध्याये

(4) दशमाध्याये

1[Option ID=13525]
2[Option ID=13526]
3[Option ID=13527]
4[Option ID=13528]

Sl. No.41
QBID:14547816

देवानां होता भवति -

(1) इन्द्रः

(2) वरुणः

(3) अग्निः

(4) विष्णुः

1[Option ID=13529]
2[Option ID=13530]
3[Option ID=13531]
4[Option ID=13532]

Sl. No.42
QBID:14547817

यजुर्वेदस्य अपरं नाम भवति -

(1) क्षात्रवेदः

(2) आयुर्वेदः

(3) गान्धर्ववेदः

(4) अध्वर्युवेदः

1[Option ID=13533]
2[Option ID=13534]
3[Option ID=13535]
4[Option ID=13536]

Sl. No.43
QBID:14547818

वेदापौरुषेयत्वं स्वीकुर्वन्ति -

(1) जैनाः

(2) चार्वाकाः

(3) नैयायिकाः

(4) पूर्वमीमांसकाः

1[Option ID=13537]
2[Option ID=13538]
3[Option ID=13539]
4[Option ID=13540]

Sl. No.44
QBID:14547819

'शन्नो देवीरभिष्टये' इति मन्त्रेण प्रारभ्यते -

(1) कौथुमसंहिता

(2) मैत्रायणीयसंहिता

(3) पैप्पलादसंहिता

(4) शाकलसंहिता

1[Option ID=13541]
2[Option ID=13542]
3[Option ID=13543]
4[Option ID=13544]

Sl. No.45
QBID:14547820

कल्पवेदाङ्गे अन्तर्भवति -

(1) कात्यायनश्रौतसूत्रम्

(2) याज्ञवल्क्यस्मृतिः

(3) पाणिनीयशिक्षा

(4) मीमांसापरिभाषा

1[Option ID=13549]
2[Option ID=13550]
3[Option ID=13551]
4[Option ID=13552]

Sl. No.46
QBID:14547821

अथर्ववेदस्य शौनकसंहितायां कति काण्डानि सन्ति -

(1) पञ्चविंशतिः

(2) विंशतिः

(3) चत्वारिंशत्

(4) सप्त

1[Option ID=13553]
2[Option ID=13554]
3[Option ID=13555]
4[Option ID=13556]

Sl. No.47
QBID:14547822

भवितुः प्रयोजकव्यापारत्वं इति लक्षणमस्ति -

(1) भावनायाः

(2) प्रयोजनस्य

(3) विधेः

(4) संशयस्य

1[Option ID=13557]
2[Option ID=13558]
3[Option ID=13559]
4[Option ID=13560]

Sl. No.48
QBID:14547823

अपूर्वसिद्धान्तस्य प्रतिपादनम् अस्ति -

(1) तर्कसंग्रहे

(2) सिद्धान्तकौमुद्याम्

(3) मीमांसापरिभाषायाम्

(4) वाक्यपदीये

1[Option ID=13561]
2[Option ID=13562]
3[Option ID=13563]
4[Option ID=13564]

Sl. No.49
QBID:14547824

निम्नलिखितासु इदानीम् अनुपलभ्यमाना शाखा अस्ति -

(1) शाकलशाखा

(2) तैत्तिरीयशाखा

(3) पौण्ड्रवत्सशाखा

(4) काण्वशाखा

1[Option ID=13565]
2[Option ID=13566]
3[Option ID=13567]
4[Option ID=13568]

Sl. No.50
QBID:14547825

पूर्वपक्षिणः मन्त्राणाम् अर्थबोधकत्वं न स्वीकुर्वन्ति। यतो हि मन्त्राः -

(1) सन्दिग्धार्थबोधकाः

(2) अपौरुषेयाः

(3) ऋग्वेदस्थाः

(4) ऋषिलिखिताः

1[Option ID=13569]
2[Option ID=13570]
3[Option ID=13571]
4[Option ID=13572]

Sl. No.51
QBID:14547826

'रक्षोहागमलघ्वसन्देहाः प्रयोजनम्' केन उक्तम् -

(1) पतञ्जलिना

(2) वररुचिना

(3) पाणिनिना

(4) भर्तृहरिणा

1[Option ID=13573]
2[Option ID=13574]
3[Option ID=13575]
4[Option ID=13576]

Sl. No.52
QBID:14547827

'त्रिपादस्यामृतं दिवि' इति वाक्यमस्ति -

(1) रुद्रसूक्ते

(2) पुरुषसूक्ते

(3) अग्निसूक्ते

(4) वरुणसूक्ते

1[Option ID=13577]
2[Option ID=13578]
3[Option ID=13579]
4[Option ID=13580]

Sl. No.53
QBID:14547828

तैत्तिरीयसंहितायाः षष्ठकाण्डे अस्ति -

(1) अग्निचयनम्

(2) सौत्रामणिः

(3) अश्वमेधः

(4) सोमयागब्राह्मणम्

1[Option ID=13581]
2[Option ID=13582]
3[Option ID=13583]
4[Option ID=13584]

Sl. No.54
QBID:14547829

इष्टप्राप्ति - अनिष्टपरिहारयोः अलौकिक उपायं यः ग्रन्थः वेदयति स वेदः इति कथयति-

(1) भट्टभास्करः

(2) सायणाचार्यः

(3) आनन्दतीर्थः

(4) स्वामीकरपात्रीमहाराजः

1[Option ID=13585]
2[Option ID=13586]
3[Option ID=13587]
4[Option ID=13588]

Sl. No.55
QBID:14547830

'गीतिषु सामाख्या' इति सामलक्षणं केनोक्तम् -

(1) भगवता वेदव्यासेन

(2) सायणाचार्येण

(3) महर्षिणा जैमिनिना

(4) कृष्णयज्वशर्मणा

1[Option ID=13593]
2[Option ID=13594]
3[Option ID=13595]
4[Option ID=13596]

Sl. No.56
QBID:14547831

'अविज्ञेयात्' इति सूत्रस्य अर्थः भवति -

(1) मन्त्राणामर्थः विज्ञातुं न शक्यते इति।

(2) अचेतनानां स्तुतिः क्रियते इति।

(3) सन्दिग्धार्थबोधका मन्त्राः इति।

(4) विप्रलम्भवाक्यसदृशाः मन्त्राः इति।

1[Option ID=13597]
2[Option ID=13598]
3[Option ID=13599]
4[Option ID=13600]

Sl. No.57
QBID:14547832

परिसंख्यायां कति दोषाः प्राप्नुयुः -

(1) त्रयः

(2) चत्वारः

(3) पञ्च

(4) अष्ट

1[Option ID=13601]
2[Option ID=13602]
3[Option ID=13603]
4[Option ID=13604]

Sl. No.58
QBID:14547833

'बहवृच' इति पदेन कः वेदः उच्यते -

(1) अथर्ववेदः

(2) सामवेदः

(3) ऋग्वेदः

(4) शुक्लयजुर्वेदः

1[Option ID=13605]
2[Option ID=13606]
3[Option ID=13607]
4[Option ID=13608]

Sl. No.59
QBID:14547834

दर्शपूर्णमासे सामिधेनीमन्त्रान् पठति -

(1) अध्वर्युः

(2) ब्रह्मा

(3) होता

(4) उद्गाता

1[Option ID=13609]
2[Option ID=13610]
3[Option ID=13611]
4[Option ID=13612]

Sl. No.60
QBID:14547835

दर्शपूर्णमासेष्टौ प्रथमाघारः दीयते -

(1) नैर्ऋत्यादीशानान्तम्।

(2) वायव्यकोणात् आग्नेयकोणपर्यन्तम्।

(3) वायव्यात् दक्षिणपर्यन्तम्।

(4) प्राचीदिशातः प्रतीचीदिशापर्यन्तम्।

1[Option ID=13613]
2[Option ID=13614]
3[Option ID=13615]
4[Option ID=13616]

Sl. No.61
QBID:14547836

अधोलिखितेषु सामवेदस्य नास्ति -

(1) मैत्रायणीयसंहिता

(2) कौथुमसंहिता

(3) राणायनीयसंहिता

(4) जैमिनीयसंहिता

1[Option ID=13617]
2[Option ID=13618]
3[Option ID=13619]
4[Option ID=13620]

Sl. No.62
QBID:14547837

निम्नोल्लिखितेषु दर्शपूर्णमासे कस्य उपयोगः भवति -

(1) सोमलतायाः

(2) ग्रहपात्राणाम्

(3) शम्याः

(4) यूपस्तम्भस्य

1[Option ID=13621]
2[Option ID=13622]
3[Option ID=13623]
4[Option ID=13624]

Sl. No.63
QBID:14547838

अधोलिखितेषु ऋग्वेदसम्बद्धं ब्राह्मणमस्ति -

(1) आर्षेयब्राह्मणम्।

(2) ताण्ड्यब्राह्मणम्।

(3) शतपथब्राह्मणम्।

(4) ऐतरेयब्राह्मणम्।

1[Option ID=13625]
2[Option ID=13626]
3[Option ID=13627]
4[Option ID=13628]

Sl. No.64
QBID:14547839

अधोदत्तेषु दर्शपूर्णमासे कस्मै हविः न दीयते -

(1) इन्द्राय

(2) अग्नेय

(3) प्रजापतये

(4) वरुणाय

1[Option ID=13629]
2[Option ID=13630]
3[Option ID=13631]
4[Option ID=13632]

Sl. No.65
QBID:14547840

'नमस्ते रुद्र मन्यवे' इति मन्त्रः माध्यन्दिनसंहिताया अस्मिन् अध्याये अस्ति -

(1) त्रयोदशाध्याये।

(2) चतुर्दशाध्याये।

(3) षोडशाध्याये।

(4) दशमाध्याये।

1[Option ID=13637]
2[Option ID=13638]
3[Option ID=13639]
4[Option ID=13640]

Sl. No.66
QBID:14547841

अधः द्वे कथने दत्ते –

अभिकथनम् A : व्याकरणाध्ययनेन वेदार्थावगमने सारल्यं भवति।

कारणम् R : व्याकरणाध्ययनेन छन्दसां ज्ञानं भवति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3) A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13641]
2[Option ID=13642]
3[Option ID=13643]
4[Option ID=13644]

Sl. No.67
QBID:14547842

अधः द्वे कथने दत्ते –
अभिकथनम् A : दर्शपूर्णमासयागः प्रकृतियागः इत्युच्यते।
कारणम् R : प्रयाजादयः दर्शपूर्णमासाङ्गाः भवन्ति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3) A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13645]
2[Option ID=13646]
3[Option ID=13647]
4[Option ID=13648]

Sl. No.68
QBID:14547843

अधः द्वे कथने दत्ते –
अभिकथनम् A : दक्षिणभारते आपस्तम्बसूत्राणां प्रयोगः बाहुल्येन भवति वैदिककर्मणि।
कारणम् R : दक्षिणभारते कृष्णयजुर्वेदस्य शाखायाः अध्यायिनः बहवः निवसन्ति इति कारणात्।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3) A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13649]
2[Option ID=13650]
3[Option ID=13651]
4[Option ID=13652]

Sl. No.69
QBID:14547844

अधः द्वे कथने दत्ते –
अभिकथनम् A : पारस्करगृह्यसूत्रानुसारं माध्यन्दिनाः शुक्लयजुर्वेदिनः गृह्यसंस्कारान् आचरन्ति।
शुक्लयजुर्वेदिनः उत्तरभारते अधिकाः सन्ति। अतः पारस्करगृह्यसूत्रस्य प्रचारः अपि उत्तरभारते अधिकः वर्तते।
कारणम् R : उत्तरभारते अन्यगृह्यसूत्राणां पारस्काद्दते प्रकाशनाभावात् अनुपलभ्यमानत्वात् एव अत्र पारस्करगृह्यसूत्रस्य प्रचारः अधिकः वर्तते।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3) A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13653]

2[Option ID=13654]
3[Option ID=13655]
4[Option ID=13656]

Sl. No.70
QBID:14547845

अधः द्वे कथने दत्ते –
अभिकथनम् A : अग्निहोत्रम्, इष्टिः सोमः चेति त्रयः यागाः विकृतिपदवाच्याः सन्ति।
कारणम् R : अग्निहोत्रम्, इष्टिः, सोमश्चेति त्रयः अपि यागाः कृताधानेन एव अनुष्ठेयाः।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3) A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13657]
2[Option ID=13658]
3[Option ID=13659]
4[Option ID=13660]

Sl. No.71
QBID:14547846

अधः द्वे कथने दत्ते –
अभिकथनम् A : 'अदितिर्घौरदितिरन्तरिक्षम्' इत्यादिमन्त्राणां गौणप्रयोगात् अविरोधः स्यात्।
कारणम् R : त्वमेव माता त्वमेव पितेत्यादिवत् गौणप्रयोगात् अविरोधः भवति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3) A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13661]
2[Option ID=13662]
3[Option ID=13663]
4[Option ID=13664]

Sl. No.72
QBID:14547847

अधः द्वे कथने दत्ते –
अभिकथनम् A : सायणाचार्यः यजुर्वेदस्य भाष्यम् प्रथमम् अलिखत्।
कारणम् R : अध्वर्युसम्बन्धिनि यजुर्वेदे निष्पन्नं यज्ञशरीरमुपजीव्यैव तदवयवौ इतर वेदद्वयेन पूर्येते इति उपजीव्यस्य यजुर्वेदस्य व्याख्यानं प्रथमं युक्तम्।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति।

(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति।

(3)

A समीचीनम्, परन्तु R समीचीनं नास्ति।

(4) A असमीचीनम् अस्ति, परन्तु R समीचीनमस्ति।

1[Option ID=13665]
2[Option ID=13666]
3[Option ID=13667]
4[Option ID=13668]

Sl. No.73
QBID:14547848

वेदस्य समुचितक्रमविभागं चिनुत।

A. ब्राह्मणम्, संहिता, उपनिषद्, आरण्यकम्।
B. ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः, अथर्ववेदः।
C. आरण्यकम्, संहिता, ब्राह्मणम्, उपनिषद्।
D. ऋग्वेदः, अथर्ववेदः, सामवेदः, यजुर्वेदः।
E. संहिता, ब्राह्मणम्, आरण्यकम्, उपनिषद्।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं A, C

(2) केवलं C, B

(3) केवलं D, E

(4) केवलं E, B

1[Option ID=13669]
2[Option ID=13670]
3[Option ID=13671]
4[Option ID=13672]

Sl. No.74
QBID:14547849

ऋग्वेदस्य समुचितं विभागक्रमं चिनुत।

A. 10 मण्डलानि, 1017 सूक्तानि, 10580 मन्त्राः।
B. 1017 सूक्तानि, 10 मण्डलानि, 10580 मन्त्राः।
C. 8 अष्टकाः, 64 अध्यायाः, 10 मण्डलानि।
D. 8 अष्टकाः, 85 अनुवाकाः, 2004 वर्गाः।
E. 10 मण्डलानि, 2004 वर्गाः, 1017 सूक्तानि।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं E, A

(2) केवलं A, D

(3) केवलं D, B

(4) केवलं C, A

1[Option ID=13673]
2[Option ID=13674]
3[Option ID=13675]
4[Option ID=13676]

Sl. No.75
QBID:14547850

ऋग्वेदस्य पुरुषसूक्तानुसारेण पौर्वापर्यात्मकं समुचितं पदसमूहं चिनुत।

A. सहस्रपात्, सहस्रशीर्षा, स भूमिम्, दशाङ्गुलम्।
B. सहस्रशीर्षा, पुरुषः, सहस्रपात्, विश्वतो वृत्वा।
C. दशाङ्गुलम्, सहस्रपात्, पुरुषः, दशाङ्गुलम्।
D. सहस्रशीर्षा, सहस्राक्षः, स भूमिम्, दशाङ्गुलम्।
E. दशाङ्गुलम्, पुरुषः, स भूमिम्, विश्वतो वृत्वा।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं A, C

(2) केवलं D, B

(3) केवलं B, D

(4) केवलं B, E

1[Option ID=13681]
2[Option ID=13682]
3[Option ID=13683]
4[Option ID=13684]

Sl. No.76
QBID:14547851

ऋग्वेदस्य प्रथममण्डले प्रथमसूक्तस्य मन्त्रक्रमं चिनुत।

A. अग्निमीळे, अग्निः पूर्वेभिः, अग्निना रयिमश्नवत्, अग्ने यम्।
B. अग्निमीळे, यदङ्ग दाशुषे, उप त्वाग्ने, स नः पितेव।
C. स नः पितेव, यदङ्ग दाशुषे, उप त्वाग्ने, राजन्तमध्वराणाम्।
D. राजन्तमध्वराणाम्, यदङ्ग दाशुषे, स नः पितेव, अग्ने यम्।
E. अग्ने यम्, राजन्तमध्वराणाम्, अग्निमीळे, उप त्वाग्ने।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं A, C

(2) केवलं C, D

(3) केवलं E, A

(4) केवलं A, B

1[Option ID=13685]
2[Option ID=13686]
3[Option ID=13687]
4[Option ID=13688]

Sl. No.77
QBID:14547852

तैत्तिरीयसंहितायाः प्रथमकाण्डस्य प्रश्नक्रमं चिनुत।

A. आप उन्दन्तु, आददे ग्रावासि, सं त्वा सिञ्चामि, इषे त्वा
B. पाकयज्ञं वा, अनुमत्यै, इषे त्वा, आप उन्दन्तु
C. इषे त्वा, आप उन्दन्तु, देवस्य त्वा, आददे ग्रावासि
D. अनुमत्यै, इषे त्वा, आददे ग्रावासि, अनुमत्यै
E. आददे ग्रावासि, सं त्वा सिञ्चामि, पाकयज्ञं वा, अनुमत्यै

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं D, E

(2) केवलं C, D

(3) केवलं A, B

(4) केवलं C, E

1[Option ID=13689]
2[Option ID=13690]
3[Option ID=13691]
4[Option ID=13692]

Sl. No.78
QBID:14547853

अधोदत्तेषु भाष्यकारेषु प्राचीनादारभ्य क्रमेण अर्वाचीनपर्यन्तं समुचितविकल्पं चिनुत।

A. भट्टभास्करः, सायणाचार्यः, महीधरः, महर्षिदयानन्दः
B. मैक्स मूलरः, सायणाचार्यः, भट्टभास्करः, आनन्दतीर्थः
C. महीधरः, भट्टभास्करः, सायणाचार्यः, आनन्दतीर्थः
D. वेङ्कटमाधवः, यास्कः, उवटः, वेबरः
E. महीधरः, महर्षिदयानन्दः, स्वामी करपात्री, आर. एल. कश्यपः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं C, D

(2) केवलं A, E

(3) केवलं E, B

(4) केवलं E, A

1[Option ID=13693]
2[Option ID=13694]
3[Option ID=13695]
4[Option ID=13696]

Sl. No.79
QBID:14547854

कृष्णयजुर्वेदस्य प्रथमकाण्डस्य प्रश्नानुसारं विषयक्रमं चिनुत।

A. सोमयागः, दर्शेष्टिः, पाकयज्ञः, राजसूयः
B. दर्शपूर्णमासः, सोमयागः, पाकयज्ञः, राजसूयः
C. अश्वमेधः, गवामयनम्, सौत्रामणिः, दर्शपूर्णमासः
D. अग्न्याधानम्, राजसूयः, सत्रयागः, पुनराधानम्
E. शाखाच्छेदनम्, सोमे वपनाय शिरः क्लेदनम्, सोमरसग्रहणम्, पाकयज्ञः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) केवलं A, E

(2) केवलं C, D

(3) केवलं B, E

(4) केवलं D, A

1[Option ID=13697]
2[Option ID=13698]
3[Option ID=13699]
4[Option ID=13700]

Sl. No.80
QBID:14547855

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : 'अपौरुषेयं वाक्यं वेदः' इति सायणाचार्यस्य वचनम्।
कथनम् II : 'इष्टप्राप्ति-अनिष्टपरिहारयोः अलौकिकं उपायं यः वेदयति सः वेदः' इति सायणाचार्यस्य वचनम्।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13701]
2[Option ID=13702]
3[Option ID=13703]
4[Option ID=13704]

Sl. No.81
QBID:14547856

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : अथर्ववेदः मण्डलानुक्रमेण विभक्तः अस्ति। अपि च अस्य वेदस्य सस्वरपाठः अपि नैव भवति।
कथनम् II : अथर्ववेदस्य शौनकशाखा काण्डानुक्रमे विभक्तः अस्ति। अस्य वेदस्य पैप्पलादशाखा सम्पूर्णा नोपलभ्यते।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13705]
2[Option ID=13706]
3[Option ID=13707]
4[Option ID=13708]

Sl. No.82
QBID:14547857

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : 'अग्न आयाहि वीतये' इति मन्त्रः सामवेदस्य प्रथममन्त्रः भवति।
कथनम् II : अथर्ववेदस्य शौनकशाखायाः प्रारम्भमन्त्रः ये त्रिषप्ताः इति भवति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13709]
2[Option ID=13710]
3[Option ID=13711]
4[Option ID=13712]

Sl. No.83
QBID:14547858

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : अग्निहोत्रं दर्शपूर्णमासः च ब्रह्मचारिणा अपि अनुष्ठातुं शक्यते।
कथनम् II : अग्न्याधानं विना एव दर्शपूर्णमासानुष्ठानं कर्तुं शक्यते।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13713]
2[Option ID=13714]
3[Option ID=13715]
4[Option ID=13716]

Sl. No.84
QBID:14547859

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : सप्तसोमसंस्थासु वाजपेयः अपि अन्तर्भवति।
कथनम् II : वाजपेययागः सप्त हविर्यज्ञसंस्थासु अन्तर्भवति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13717]
2[Option ID=13718]
3[Option ID=13719]
4[Option ID=13720]

Sl. No.85
QBID:14547860

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : इष्टिप्रयोगे दर्शपूर्णमासे पत्न्यभावे आग्नीध्रः हविष्कृत् भवति।
कथनम् II : दर्शपूर्णमासेष्टौ पुरोडाशहविः न भवति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13725]
2[Option ID=13726]
3[Option ID=13727]
4[Option ID=13728]

Sl. No.86
QBID:14547861

अधः द्वे कथने दत्ते –
कथनम् I : 'दध्ना जुहुयात्' इति वाक्यं कर्मोत्पत्तिवाक्यं भवति। अत्र होमः कर्तव्यतया विहितत्वात्।
कथनम् II : 'दध्ना इन्द्रियकामस्य जुहुयात्' इति वाक्ये होमे इन्द्रियफलाय दधिरूपः गुणः विधीयते। अतः इदं वाक्यं फलाय गुणवाक्यं भवति।

उपरोक्त कथनस्यालोके, अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत।

(1) कथनं I कथनं II च द्वयमेव समीचीनम्

(2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम्

(3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम्

(4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम्

1[Option ID=13729]
2[Option ID=13730]
3[Option ID=13731]
4[Option ID=13732]

Sl. No.87
QBID:14547862

A. ईशावास्योपनिषद् माध्यन्दिनसंहितायाः 40 तमे अध्याये अस्ति।
B. ईशावास्योपनिषद् माध्यन्दिनसंहितायाः 30 तमे अध्याये अस्ति।
C. ईशावास्योपनिषदि 'त्यक्तेन भुञ्जीथा' इति वाक्यम् अस्ति।
D. ईशावास्योपनिषदि चत्वारिंशत् मन्त्राः सन्ति।
E. ईशावास्योपनिषद् कृष्णयजुर्वेदस्य अस्ति।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम उतरं चिनुत।

(1) केवलं B, A

(2) केवलं C, D

(3) केवलं A, E

(4) केवलं A, C

1[Option ID=13733]
2[Option ID=13734]
3[Option ID=13735]
4[Option ID=13736]

Sl. No.88
QBID:14547863

A. काण्व-माध्यन्दिनेति द्वे शाखे शुक्लयजुर्वेदस्य भवतः।
B. वैखानस-तैत्तिरीयेति द्वे शाखे ऋग्वेदस्य स्तः।
C. मैत्रायणीय-शाकल इति द्वे शाखे ऋग्वेदस्य भवतः।
D. कपिष्ठल शाखा शुक्लयजुर्वेदस्य अस्ति।
E. माध्यन्दिनसंहितायां चत्वारिंशत् अध्यायाः सन्ति।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम उतरं चिनुत।

(1) केवलं D, C

(2) केवलं C, E

(3) केवलं A, E

(4) केवलं A, B

1[Option ID=13737]
2[Option ID=13738]
3[Option ID=13739]
4[Option ID=13740]

Sl. No.89
QBID:14547864

A. दर्शपूर्णमासयागे अग्निः इन्द्रश्च प्रधानदेवते भवतः।
B. प्रयाजाः दर्शपूर्णमासस्य अङ्गानि भवति।
C. दर्शपूर्णमासे उद्गाता नामकः ऋत्विक् भवन्ति।
D. दर्शपूर्णमासे दक्षिणारूपेण सहस्रं गौः विहितमस्ति।
E. दर्शपूर्णमासः संवत्सरे एकवारमेवानुष्ठेयः भवति।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम उतरं चिनुत।

(1) केवलं C, D

(2) केवलं A, B

(3) केवलं A, E

(4) केवलं E, C

1[Option ID=13741]
2[Option ID=13742]
3[Option ID=13743]
4[Option ID=13744]

Sl. No.90
QBID:14547865

A. कौथुमशाखा सामवेदस्य अन्यतमा शाखा अस्ति।
B. कौथुमशाखायां प्रथममन्त्रः 'अग्निं दूतं वृणीमहे' इत्यस्ति।
C. कौथुमशाखायाः संहितायां प्रथममन्त्रस्य देवता इन्द्रः अस्ति।
D. कौथुमशाखायाः संहिताया प्रथममन्त्रः गायत्री छन्दसि अस्ति।
E. कौथुमशाखा इदानीं भारते लुप्ता अस्ति।

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम उतरं चिनुत।

(1) केवलं A, B

(2) केवलं C, D

(3) केवलं E, A

(4) केवलं A, D

1[Option ID=13745]
2[Option ID=13746]
3[Option ID=13747]
4[Option ID=13748]

Sl. No.91
QBID:14547866

A. मीमांसापरिभाषाया आरम्भे कृष्णयज्वना सूर्यदेवः नमस्कृतः।
B. मीमांसापरिभाषा नव्यन्यायस्य प्रकरणग्रन्थः अस्ति।
C. मीमांसापरिभाषायां अध्यासस्य प्रतिपादनम् अस्ति।
D. मीमांसापरिभाषायाः प्रणेता श्रीकृष्णयज्वशर्मा अस्ति।
E. विवर्तवादस्य वर्णनं मीमांसापरिभाषायाम् अस्ति।

(1) केवलं C, B

(2) केवलं D, E

(3) केवलं D, A

(4) केवलं D, C

1[Option ID=13749]
2[Option ID=13750]
3[Option ID=13751]
4[Option ID=13752]

Sl. No.92
QBID:14547867

A. वेदापौरुषेयत्वं स्वीकुर्वन्ति मीमांसकाः।
B. वेदापौरुषेयत्वं स्वीकुर्वन्ति बौद्धाः।
C. चार्वाकाः वेदानां प्रामाण्यं स्वीकुर्वन्ति।
D. मीमांसाशास्त्रे धर्मविचारः कृतः वर्तते।
E. मीमांसकाः शब्दप्रमाणं न स्वीकुर्वन्ति।

(1) केवलं A, D

(2) केवलं A, C

(3) केवलं B, C

(4) केवलं B, A

1[Option ID=13753]
2[Option ID=13754]
3[Option ID=13755]
4[Option ID=13756]

Sl. No.93
QBID:14547868

A. शुक्ल-कृष्ण वेदयोः स्वरभेदः नास्ति।
B. हस्तस्वरः कृष्णयजुर्वेदे अस्ति।
C. शुक्ल-कृष्णे मन्त्राणां स्वरः भिन्नः भवति।
D. तैत्तिरीयसंहितायां 70 अध्यायाः सन्ति।
E. कृष्णयजुर्वेदस्य तैत्तिरीयसंहितायां इष्टिवर्णनमस्ति।

(1) केवलं A, B

(2) केवलं C, E

(3) केवलं D, E

(4) केवलं B, D

1[Option ID=13757]
2[Option ID=13758]
3[Option ID=13759]
4[Option ID=13760]

Sl. No.94
QBID:14547869

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	अग्न्याधानमन्त्राः	I.	माध्यन्दिनसंहितायां चतुर्थाध्यायः
B.	इष्टिमन्त्राः	II.	माध्यन्दिनसंहितायां नवमाध्यायः
C.	वाजपेयमन्त्राः	III.	माध्यन्दिनसंहितायां प्रथमाध्यायः
D.	अग्निष्टोममन्त्राः	IV.	माध्यन्दिनसंहितायां तृतीयाध्यायः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-IV, B-I, C-II, D-III

(2) A-III, B-IV, C-I, D-II

(3) A-IV, B-III, C-II, D-I

(4) A-I, B-III, C-IV, D-II

1[Option ID=13761]
2[Option ID=13762]
3[Option ID=13763]
4[Option ID=13764]

Sl. No.95
QBID:14547870

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	असौ यस्ताम्रो अरुणः	I.	दर्शपूर्णमासः
B.	स भूमिं सर्वतः	II.	ईशोपनिषद्
C.	इषे त्वा	III.	रुद्रः
D.	न कर्म लिप्यते नरे	IV.	पुरुषः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-I, B-II, C-III, D-IV
(2) A-III, B-IV, C-I, D-II
(3) A-III, B-IV, C-II, D-I
(4) A-IV, B-III, C-I, D-II

1[Option ID=13769]
2[Option ID=13770]
3[Option ID=13771]
4[Option ID=13772]

Sl. No.96
QBID:14547871

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	अध्वर्युः	I.	सामवेदः
B.	ब्रह्मा	II.	यजुर्वेदः
C.	होता	III.	अथर्ववेदः
D.	उद्गाता	IV.	ऋग्वेदः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-II, B-III, C-IV, D-I
(2) A-II, B-IV, C-I, D-III
(3) A-III, B-II, C-IV, D-I
(4) A-I, B-II, C-III, D-IV

1[Option ID=13773]
2[Option ID=13774]

3[Option ID=13775]
4[Option ID=13776]

Sl. No.97
QBID:14547872

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	मीमांसापरिभाषा	I.	वेदः
B.	शौनकसंहिता	II.	कृष्णयज्वशर्मा
C.	जैमिनीयन्यायमाला	III.	लौगाक्षिभास्करः
D.	अर्थसंग्रहः	IV.	माधवाचार्यः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-III, B-I, C-II, D-IV
(2) A-IV, B-I, C-II, D-III
(3) A-II, B-I, C-III, D-IV
(4) A-II, B-I, C-IV, D-III

1[Option ID=13777]
2[Option ID=13778]
3[Option ID=13779]
4[Option ID=13780]

Sl. No.98
QBID:14547873

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	ईशावास्योपनिषद्	I.	ऋग्वेदः
B.	तैत्तिरीयोपनिषद्	II.	शुक्लयजुर्वेदः
C.	छान्दोग्योपनिषद्	III.	कृष्णयजुर्वेदः
D.	ऐतरेयोपनिषद्	IV.	सामवेदः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III
(2) A-II, B-III, C-IV, D-I
(3) A-I, B-IV, C-III, D-II
(4) A-IV, B-I, C-II, D-III

1[Option ID=13781]
2[Option ID=13782]
3[Option ID=13783]
4[Option ID=13784]

Sl. No.99
QBID:14547874

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	ऋग्वेदः	I.	ब्रह्मवेदः
B.	शुक्लयजुर्वेदः	II.	शाकलसंहिता
C.	सामवेदः	III.	काण्वसंहिता
D.	अथर्ववेदः	IV.	गानप्रधानः

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-II, B-IV, C-III, D-I

(2) A-II, B-III, C-I, D-IV

(3) A-II, B-III, C-IV, D-I

(4) A-I, B-IV, C-III, D-II

1[Option ID=13785]
2[Option ID=13786]
3[Option ID=13787]
4[Option ID=13788]

Sl. No.100
QBID:14547875

प्रथमां सूचीं द्वितीयया सूच्या सह मेलयत।

सूची I		सूची II	
A.	पुरोडाशः	I.	वेदाः
B.	अग्निः	II.	सोमयागः
C.	अग्निष्टोमः	III.	हविः
D.	त्रयी	IV.	देवता

अधोदत्तेषु विकल्पेषु सर्वोपयुक्तम् उतरं चिनुत।

(1) A-III, B-IV, C-II, D-I

(2) A-I, B-II, C-III, D-IV

(3) A-III, B-I, C-II, D-IV

(4) A-I, B-IV, C-II, D-III

1[Option ID=13789]
2[Option ID=13790]
3[Option ID=13791]
4[Option ID=13792]